भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.06.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 756 का उत्तर

रेलमार्गों का विद्युतीकरण

756. श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे:
श्रीमती राम्या हरिदास:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे का 2021 तक रेलमार्गों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी जोन-वार विशेषकर दक्षिण मध्य रेल जोन की वर्तमान स्थिति क्या है और विद्युतीकरण के प्रयोजनार्थ रेलमार्गों के चयन करने के निर्धारित मानदंड क्या हैं;

(ग) क्या गत तीन वर्षों के दौरान केरल सहित विभिन्न राज्य सरकारों से रेलमार्गों के विद्युतीकरण के लिए राज्य-वार अनुरोध प्राप्त हुए हैं;

(घ) यदि हां, तो उन पर रेलवे द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) उक्त निर्णय के बावजूद डीजन इंजन के उत्पादन हेतु नई अवसंरचना के कारण क्या हैं जिसके कारण हजारों करोड़ रुपए की अत्यधिक देयता उत्पन्न हो रही है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

mm

रेलमार्गों के विद्युतीकरण के संबंध में दिनांक 26.06.2019 को लोक सभा में श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे एवं श्रीमती राम्या हरिदास के अतारांकित प्रश्न सं. 756 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): जी हां। विद्युतीकरण के लाभों और समस्त बड़ी आमान नेटवर्क पर विद्युत कर्षण पर निर्बाध परिचालन प्राप्त करने के दृष्टिगत रेल मंत्रालय की वर्ष 2021-22 तक भारतीय रेल के शेष बड़ी आमान मार्गों को विद्युतीकृत करने की योजना है। दक्षिण मध्य रेलवे सहित शेष बड़ी आमान मार्गों को विद्युतीकृत करने की ज़ोन-वार, कार्य योजना निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	क्षेत्रीय रेलवे	विद्युतीकरण के लिए नियोजित मार्ग किमी
1	मध्य	1,073
2	पूर्व	622
3	पूर्व मध्य	821
4	पूर्व तट	447
5	उत्तर	2,779
6	उत्तर मध्य	866
7	पूर्वोत्तर	2,340
8	पूर्वोत्तर सीमा	3,852
9	उत्तर पश्चिम	4,241
10	दक्षिण	1,471
11	दक्षिण मध्य	2,542
12	दक्षिण पूर्व	296
13	दक्षिण पूर्व मध्य	535
14	दक्षिण पश्चिम	2,702
15	पश्चिम	2,633
16	पश्चिम मध्य	850
17	कोंकण रेलवे	740
	कुल	28810

mm

(ग) और (घ): केरल राज्य सहित विभिन्न राज्यों से रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण के लिए प्रस्ताव प्राप्त होना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। रेल मंत्रालय की केरल राज्य सहित भारतीय रेल, जिसमें सभी राज्य शामिल हैं, के शेष बड़ी आमान मार्गों को विद्युतीकृत करने की योजना है। शेष मार्ग विद्युतीकरण कार्य को पहले ही स्वीकृत कर दिया गया है।

(ङ): सितम्बर, 2018 में 100% विद्युतीकरण के निर्णय के बाद रेलवे द्वारा डीज़ल रेल इंजन के उत्पादन के लिए कोई नई अवसंरचना प्रस्तावित नहीं की गई है। डीजल रेल इंजन फैक्ट्री, मरहौरा में विनिर्मित डीजल रेल इंजनों को सामरिक, आपातकालीन एवं किन्हीं परिचालनिक कारणों हेतु भारतीय रेल द्वारा अपेक्षित होगा।

*****

mm